Publication	Navbharat Times
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	02
Date	9th May 2018

NBT
नवभारत टाइम्स

एजुकेशन हब बन चुका शहर, लेकिन नहीं है सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज

शिक्षा में दुनिया का 'गुरु' गुड़गांव

Ajaydeep.Lather@timesgroup.com

NBT हरियाणा RISING

शहर के विकास के सफर में अपनी व यहां के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एनबीटी ने शुरू किया है हरियाणा राइजिंग। इस अभियान के तहत स्मार्ट सिटी, हेल्दी सिटी व सेफ सिटी पर चर्चा की जाएगी। स्मार्ट सिटी के तहत आज हम बात कर रहे हैं सिटी में एजुकेशन सिस्टम की। कभी शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ा माना जाने वाला गुड़गांव अब एजुकेशन हब बन चुका है। यहां विकास की ऐसी बयार चली कि गुरु द्रोण का यह शहर आज पूरी दुनिया के बच्चों को पढ़ा रहा है। इसके बावजूद औद्योगिक तौर से तरक्की पाने वाले गुड़गांव में सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज का अब भी अभाव है। पेश है रिपोर्ट :

1951 गुड़गांव में खोला गया था कॉलेज द्रोणाचार्य सनातन धर्म कॉलेज

1980 द्रोणाचार्य गवर्नमेंट कॉलेज को प्रदेश सरकार ने किया टेकओवर

1980 इसी साल हुई थी जटौली मंडी में गवर्नमेंट कॉलेज की स्थापना

आजाद हिंदुस्तान में हुआ आगाज

गुड़गांव में पहले कॉलेज के तौर पर द्रोणाचार्य कॉलेज की स्थापना 1951 में की गई थी। इसे विभाजन के बाद पाकिस्तान स्थित हिंदू कॉलेज गुजरांवाला की जगह पुनर्स्थापित किया गया था। उस वक्त इसका नाम द्रोणाचार्य सनातन धर्म कॉलेज था, लेकिन 1980 में हरियाणा सरकार ने इसे टेकओवर कर लिया और इसका नाम द्रोणाचार्य गवर्नमेंट कॉलेज हो गया। इसके बाद धीरे-धीरे 4 और सरकारी कॉलेज खुल गए, जिनमें सेक्टर-14 स्थित गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, जटौली हेली मंडी स्थित गवर्नमेंट कॉलेज, सेक्टर-9 स्थित गवर्नमेंट कॉलेज व सिद्धरावली स्थित गवर्नमेंट कॉलेज शामिल हैं। वहीं, जिले में सरकारी अनुदान प्राप्त एक व स्वपोषित 4 कॉलेज भी छात्रों को उच्च शिक्षा दे रहे हैं। जुलाई से शुरू हो रहे नए शैक्षणिक सत्र से जिले में 3 और सरकारी कॉलेज शुरू होने की उम्मीद है।

सेक्टर-52 स्थित गुड़गांव यूनिवर्सिटी

आप भी लें भाग

हम आपसे रोजाना पूछेंगे शहर से जुड़ा एक सवाल, जिसका जवाब आपको वट्सऐप नंबर 9416488388 पर देना होगा। सबसे पहले सही जवाब देने वाले तीन प्रतिभागियों के नाम व फोटो अखबार में छपेंगे। जवाब के साथ अपना फोटो जरूर भेजें।

आज का सवाल है

शहर में रैपिड मेट्रो के कितने स्टेशन हैं?

A	B	C
9	12	11

आप शहर को प्रभावित करने वाले इन तीन मुद्दों, हेल्थ, स्मार्टनेस और सेफ्टी पर क्या राय रखते हैं? कैसे इन्हें और बेहतर किया जा सकता है ताकि आप अपनी सिटी पर गर्व कर सकें। हमें भेजिए अपनी बात हमारी मेल आईडी **ggnnbt@gmail.com** पर। सब्जेक्ट में लिखें **Haryana RISING**

स्कूल भी नहीं हैं कम

दिल्ली पास होने के कारण गुड़गांव में सरकारी व प्राइवेट स्कूलों का जाल-सा बुन गया है। शहर में 10 से ज्यादा ऐसे स्कूल हैं, जो विश्वस्तरीय शिक्षा के साथ 7 सितारा सुविधाएं मुहैया करा रहे हैं। फिल्म अभिनेताओं के बच्चे हों या मंत्रियों के, सभी की पसंद यहां के स्कूल बन रहे हैं। बनियान ट्री, स्कॉटिश हाई, हेरिटेज स्कूल, श्रीराम इंटरनैशनल, सनसिटी वर्ल्ड, शिव नादर, शालोम हिल्स, पाथवेज, जीडी गोयनका, स्टारएक्स सहित कई ऐसे स्कूल हैं, जिनमें विद्यार्थी देश-विदेश से भी पढ़ने आते हैं। कोरिया, जापान, अरब देशों के अलावा जर्मनी, रूस व अन्य जगहों से भी स्टूडेंट शिक्षा ग्रहण करने गुड़गांव आते हैं। यहां सुविधाओं के नाम पर एसी कक्षाएं, वाई-फाई कैंपस, हर कक्षा में इंटरनेट व इंटरेक्टिव बोर्ड के अलावा स्कूल में पार्लर, जिम और हॉस्टल में फाइव स्टार सुविधाएं दी जा रही हैं। शहर में सिर्फ सीबीएसई से ही मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों की संख्या करीब 250 है, जबकि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड से मान्यता हासिल प्राइवेट स्कूल करीब 150 हैं। इसके अलावा शिक्षा विभाग ने यहां 383 प्राइमरी, 91 मिडल, 46 हाई व 72 सीनियर सेकंडरी स्कूल खोले हुए हैं।

सेक्टर-50 स्थित लोटस वैली स्कूल

प्राइवेट यूनिवर्सिटी भी दमदार

जिले में इस वक्त 8 प्राइवेट यूनिवर्सिटी भी मौजूद हैं, जिनमें हीरो ग्रुप की मुंजाल यूनिवर्सिटी, रियल एस्टेट कंपनी की अंसल यूनिवर्सिटी, केआर मंगलम यूनिवर्सिटी, जीडी गोयनका, एमिटी, नॉर्थ कैप यूनिवर्सिटी, एसजीटी, स्टारेक्स यूनिवर्सिटी शामिल हैं। इनमें अत्याधुनिक तरीके से युवाओं को शिक्षित किया जा रहा है। जिले की पहली सरकारी यूनिवर्सिटी के तौर पर गुरुग्राम यूनिवर्सिटी की स्थापना फरवरी 2018 में हो चुकी है, जिसका अस्थायी ऑफिस भी शुरू हो शुरू चुका है। वीसी डॉ. मार्कंडेय आहूजा का दावा है कि नए सेशन में यहां भी दाखिला प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

मार्कंडेय आहूजा, वाइस चांसलर, गुरुग्राम यूनिवर्सिटी

सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज नहीं

गुड़गांव जिले के विकास में इंडस्ट्रीज का सबसे अधिक योगदान है, लेकिन सरकारी स्तर पर तकनीकी शिक्षा मुहैया अब तक नहीं मिल पाई है। मानेसर में एकमात्र गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक है, जबकि गुड़गांव शहर में कोई पॉलिटेक्निक नहीं है। यहां की इंडस्ट्री की जरूरत के मुताबिक, नए-नए कोर्स से सुसज्जित सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज की डिमांड लगातार हो रही है। यहां ऐसा कॉलेज होना चाहिए, जिसमें यहां के उद्योगों के अनुसार ही कोर्स डिजाइन किए जाएं। यहां पढ़ाई करने वालों को शहर में ही रोजगार की सुविधा भी मिल जाए। इससे इंडस्ट्री की प्रशिक्षित इंजीनियर्स को लेकर डिमांड भी स्थानीय स्तर पर पूरी हो जाएगी।

"प्राइवेट स्कूलों की फीस पर कुछ अंकुश लगना चाहिए। सरकार ऐसी पॉलिसी बनाए, जिससे फीस की मार परेशान न करे। – कुलवंत, बसई

"सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर ऊंचा उठाने की जरूरत है। सुशांत लोक के सरकारी मॉडल स्कूल जैसे स्कूल भी हों। – बिन्दर, झाड़सा

"यहां इंडस्ट्री की भरमार है, लेकिन सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज नहीं है। सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज खोले जाने चाहिए। – अरुण, सेक्टर-46

"दिल्ली स्थित आईआईटी का एक्सटेंशन गुड़गांव में किया जाना चाहिए। इससे युवाओं का रुझान उच्च शिक्षा की ओर बढ़ेगा। – तरुण, भवानी एनक्लेव

asian Institute of Medical Sciences

Satya THE HERMITAGE Ready to move in 4 BHK & Penthouses Price starting @ ₹1.27Cr* 9560450277

Rawal Educational Society

NU NIIT UNIVERSITY THE UNIVERSITY OF THE FUTURE

JCB